Monday

①

Vijay Kumar Ho
deptt. in History
V.S.J College Rajnagar

Degree part I
Paper - I

Aryan settlements in India.

भारत मे वैदिक सभ्यता के निर्माता आर्य थे जिनके भारत मे आने की एक अलग घटना है आर्य भारत मे इरान से आये थे एशिया माइनर मे वोगाजकोई नामक स्थान से 1400 ई० पू० मे एक अभिलेख पाया गया है। इरान मे जहाँ आर्य निवास करते थे वहाँ एक ही ग्रुप था किंतु बाद मे ये दो समूहो मे बंट गये एक वर्ग असुर धर्म का उपासक था तथा दूसरा देव धर्म का असुर धर्म के नेता वरुण थे तथा देव धर्म के नेता इन्द्र थे दोनों समूहों मे परस्पर शत्रुता हो गई तथा इसी धार्मिक विवाद के कारण देव उपासक आर्यों ने इरान छोड़कर भारत आ गये जो अफगानिस्तान के मार्ग से भारत प्रवेश किया।

इतिहासकारो का मत है कि हड़प्पा संस्कृति के बाद आर्य भारत आये क्योंकी हड़प्पा संस्कृति के विनाश मे इनका हाथ था। भारत मे आर्यो की आगमन का काल का निर्धारण हड़प्पा संस्कृति के विनाश तथा ऋग्वेद की रचना काल के आधार पर किया जा सकता है। हड़प्पा संस्कृति का विनाश 2500 ई० पू० के लगभग हुआ था और ऋग्वेद की रचना 1000 ई० पू० से पहले हुई थी अतः ऋग्वेद की रचना काल 2500 ई० पू० से 1500 ई० पू० हुआ था। यही दीर्घकाल भारत मे आर्यो के आगमन का है।

भारत मे आने के बाद आर्यो को यहाँ के निवासीयों से युद्ध करना पड़ा जिसमे विजित होने के बाद आर्य उपनिवेश बसाये।

Scanned with Cam

भारत में आर्यों का आगमन दो समूहों में हुआ एक समूह पंजाब में बस गया और दूसरा मध्य प्रदेश के। गीलपीर क्षेत्र में बसा। मध्यप्रदेश के आर्य अपने को उच्च तथा पंजाब में बसे आर्य को निम्न मानते थे। मध्यप्रदेश के इस क्षेत्र को ब्रह्मावर्त कहा जाता है। इस सिद्धान्त को ग्रियर्सन तथा बी॰ वैद्य ने भी माना है।

आर्यों का भौगोलिक ज्ञान ऋग्वेद से प्राप्त है। आर्य हिमालय से परिचित थे। ऋग्वेद में 25 नदियों का उल्लेख है जिसमें सिंधु और गंगा नदी का वर्णन है। इसके साथ ही तीन बार यमुना नदी का वर्णन है। आर्यों के इस भौगोलिक ज्ञान से स्पष्ट है कि सिन्धु, सरस्वती नदी के पूर्व में यमुना नदी तक विस्तारित थे। किंतु यमुना के पूर्व आर्यों का कोई विस्तार नहीं हुआ था।

ऋग्वेद से जानकारी मिलती है कि आर्यों का उपनिवेश पश्चिम नदियों के तट पर थे जिनका नाम क्रमशः रसा, कुरम्भ, सुवास्तु, गोमती थे। आर्यों का प्रारंभिक उपनिवेश अफगानिस्तान, पंजाब, सिंधु, राजस्थान, कश्मीर सीमा प्रांत में विस्तारित थे। ऋग्वेद में सप्त सिंधु का नाम उल्लेखित है।

आर्यों के उपनिवेश के जन कबीला कहा जाता था, जहाँ राजतंत्र प्रणाली थी। इन जन कबीलों को दस राजाओं से संबंध का वर्णन मिलता है। ये राजा थे पुरु, यदु, तुर्वश, अनु, द्रुह्यु, अलिन, पक्थ, भलानस, शिवि और विषाणिन।

ऋग्वेद के अनुसार आर्यों के निवास क्षेत्र निम्न थे →

(1) भरत :– यह आर्यों का प्रमुख जन था जो यमुना एवं सरस्वती नदी तथा उसका था।

(2) त्रित्सु :— यह पुरुष्णी नदी के पूर्व में निवास करता था। भरत जन के साथ इस जन का घनिष्ठ संबंध था। उत्तर वैदिक काल में भरत, त्रित्सु और पुरु जन एक हो गये और ये कुरु कहलाये।

(3) पुरु :– यह प्रमुख आर्य जन था और सरस्वती नदी के पश्चिम

EBRUARY 2018
Su Mo Tu We Th Fr Sa
1 2
3 4 5 6 7 8 9
10 11 12 13 14 15 16
17 18 19 20 21 22 23
24 25 26 27 28

Scanned with Cam

निवास करता था। दस राजाओं के युद्ध में पुरु जन का राजा पुरुकुत्स था।

(4) अनु :- इस जन का निवास क्षेत्र अस्किनी और पुरुष्णी नदी के बीच था।

(5) द्रुह्यु :- यह भी अस्किनी और पुरुष्णी नदियों के मध्य निवास करता था।

(6) यदु :- यह पंजाब के दक्षिणी प्रदेश में निवास करता था।

(7) पक्थ :- यह अफगानिस्तान क्षेत्र में निवास करता था।

(8) भलानस :- यह आधुनिक काबुलस्तान में निवास करता था।

(9) विषाणिन :- इसका निवास स्थान सिंधु नदी के पश्चिम तथा गोमल नदी के मध्य था।

(10) शिवि :- यह काफिरिस्तान के उत्तर पूर्व तथा सिन्धु नदी के मध्य निवास करता था। इन उपनिवेशों के अतिरिक्त कुछ अन्य उपनिवेशों की चर्चा ऋग्वेद में है, जैसे - मत्स्य, चेदि, अलवर, भरतपुर आदि।

ऋग्वेद में कुछ अनार्य आर्यों का भी उपनिवेशों की भी चर्चा है। ये अनार्य दस्यु कहलाते थे, व काले रंग, चिपटी नाक, कटु भाषी होते थे। आर्य दस्यु शब्द का प्रयोग अपने अनार्य शत्रुओं के लिये करते थे। भरतों के राज्य में स्थानीय अनार्य लोग भी रहते थे अतः भरतों और अन्य आर्य समूहों में संघर्ष अवश्यम्भावी था। एक अन्य अनार्य समूह कीकट था जो मगध का निवासी था।

ऋग्वेद काल में आर्यों का विस्तार मुख्य रूप से सप्त सैन्धव प्रदेश (सिंधु से सरस्वती नदी तक था। कुछ समूह उत्तर पश्चिम तथा गंगा यमुना दोआब में निवास करते थे आर० सी० मजूमदार के अनुसार -" It may thus reasonably concluded that the Aryan settlements during the period of Rig Veda practically co terminous with the ordeath of their geographical knowledge."

Scanned with Cam